पड़ा, जिससे रंगरूट भगवान सिंह मर गये, नायक धर्म सिंह प्राण-घातक जख्मी हुये तथा जमादार गुरूदेव सिंह को चोट आई । नायक धर्म सिंह तथा जमादार गुरूदेव सिंह को फर्स्ट एड पहुंचाई गई, और उन्हें सैनिक अस्पताल रूड़की पहुंचाया गया । नायक धर्म सिंह सख्त जख्मी होने के कारण उसी दिन मर गये ।

एक कोर्ट आफ इंक्वायरी इस बात का पता लगाने के लिये की गई कि यह विस्फोट किन कारणों से हुआ, किन्तु वह वास्तविक कारणों का पता न लगा सकी । चार्ज नं० ३ के समय से पहले फटने का कारण यह हो सकता है कि रंगरूट भगवान सिंह ने सेफ्टी फ्यूज या डीटोनेटर को समय से पहिले जला दिया होगा । जो बारूद इस प्रयोग के लिये इस्तेमाल किया गया था उसकी जांच अक्तूबर १९५९ में की गई थी और वह काम में आने योग्य तथा ठीक सिद्ध हो चुका है ।

आर्थिक सहायता

मरने वालों के उत्तराधिकारियों में से प्रत्येक को बंगाल इंजीनियर ग्रुप के सहायता फंड में से १५० रुपये दिये गये थे ।

इंक्वायरी होने के दौरान में स्वर्गीय नायक धर्म सिंह तथा स्वर्गीय रंगरूट भगवान सिंह के उत्तराधिकारियों को क्रमशः २४ रुपये तथा २० रुपये प्रति मास की सहायता दी गई थी ।

मरने वाले कार्मिकों के हिसाब-किताब का फैसला कर दिया गया है और उनके उत्तराधिकारियों को १० मार्च १९६० को उनका जो कुछ धन था भेज दिया गया है ।

Foreigners in India

1696. **Shri Pangarkar:**
Shri Raghunath Singh:
Shri P. C. Borooah:

Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether Government have recently instituted an enquiry into the number of foreigners staying in India without valid documents; and

(b) if so, the action taken by Government against foreigners staying in India without valid passports up to date?

The Minister of Home Affairs (Shri G. B. Pant): (a) Yes.

(b) They have been directed to obtain passports and residential permits within a specified period. Those who fail to comply with the direction will be dealt with under the Foreigners Act, 1946.

Post-Basic Institutions

1697. Shri Pangarkar: Will the Minister of **Education** be pleased to state:

(a) the number of Post-Basic Institutions started so far in India;

(b) the number of them started by voluntary organisations; and

(c) the number of them started by the States?

The Minister of Education (Dr. K. L. Shrimali): (a) On 31st March, 1959, the total number of Government recognised Post-Basic schools in India was 64;

(b) 43; and

(c) 21.

Pamphlets Published by the National Institute of Basic Education

1698. **Shri Pangarkar:**
Shri Bhagavati:

Will the Minister of **Education** be pleased to state the number and names of pamphlets published by the National Institute of Basic Education during the year 1959?

The Minister of Education (Dr. K. L. Shrimali): The following nine pamphlets were published:—

1. Fibre craft.

2. Basic Education Abstracts—1958 (No. 1).